14/8/22

पत्रावली पेश हुई। अभियुक्त प्रार्थी
अनुपस्थित। पत्रावली का मूल वाद
पूर्व में स्वाधीन है हुकमी। आज
आवाज लिलवाई गई। बार-बार
आवाज लिलवाई गई। प्रार्थी
न आये अभियुक्त अनुपस्थित।
अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र
अदम हाजरी अदम पैरवी
में खारिज किया जाता है। पत्रावली
बाद [illegible] दाखिल
दफ्तर हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Sunil Kumar Chouhan
Date: 2022.09.20 15:35:42 IST
Reason: Self Attested